

1.11.

Μνήμη τών Αγίων Αναργύρων, Κοσμά καί Δαμιανού.

Ἐπιτίχῃ ἡ ὕδατοπόρωβῃ, ἐξζιρέβρηκῃωβῃ κοσμῷ ἡ δαμιῖάνα, ἡζε ᾧ ἀσίη.

6. hlas // 2nd plag. echos

!! Cf. 1.7.

Ἀτελεύτητος υπάρχει τών Αγίων

Πάντοτε ἔχοντες Χριστόν

Φαιδρά καί ἐπίφωτος ἀνέτειλε σήμερον (← 1.7.)

Am 40, Dk (79), Ott 51v (106), Trin 50r,
G355 85v (88), G260 37v (41), G270 33r (40),

Vi 43, G356 5r (10)

Pp 41v, S439 27v

S411 36v, S442 96v, S414 377r, S431 152v,

Tr 112

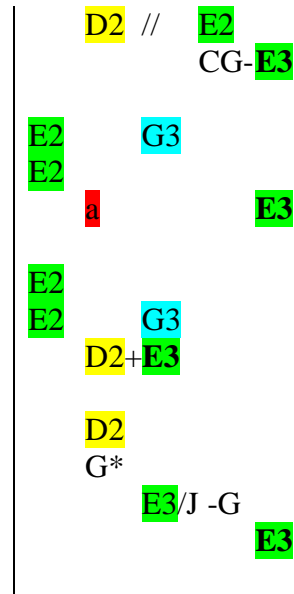
Εἰς τό, Κύριε ἐκέκραξα, Δόξα... Ἦχος πλ. β', Ανατολίου

Ἀτελεύτητος υπάρχει τῶν Ἁγίων ἡ χάρις
ἦν παρά Χριστοῦ εκομίσαντο.

ὅθεν αὐτῶν καί τὰ λείψανα,
ἐκ θείας δυνάμεως
διηλεκῶς ενεργούσι τοῖς θαύμασιν.

ὧν καί τὰ ονόματα μόνα
ἐκ πίστεως επιβόωμενα,
τῶν ανιάτων αληθόνων απαλλάττουσι.

δι' ὧν Κύριε
καί ημᾶς*
τῶν τῆς ψυχῶς καί σώματος παθῶν.
ἐλευθέρωσον, ὡς φιλάνθρωπος.



Οὐάβα, γιάεζ ἔ. Ἡνατόλι:

Ἡεζκονέινα ἔεγъ εἴγίχъ εἰγοδάτъ,
ἰῶже ὤ χῥῆτὰ πρίάша.

тѣмже ἡ μώци ηἶχъ
ὤ εἰῗтвенныа сілы
неперетάνηω дѣһотевдјотъ ἴδελ:

ἡχже ἡ ἡμενà,
вѣрою прнзываетъ,
ненецѣльныа болѣзни ἡецѣлјотъ.

ἡмнже, гдѣ,

ἡ нάεζ

дшэвнычъ ἡ тѣлэнычъ етрастѣй
свободѣ, ѡкω члвѣкولیβεцъ.

Ott

Am

Dk,Trin

G270

D

Vi

G356

ήν πα- ρά Χρι-στού

> \ ≧ ≧

> \ ≧ ≧

ε- κο- μί- σαν- το,

Pp

ΙΟ_ ΖΕ_ Ο_ ΤΨ

ΧΡΗ_ ΣΤΑ ΠΡΗ_ ΙΑ_ ΣΤΑ•

S439

ΙΟ_ ΖΕ_ Ω_ ΤΨ

ΧΡΗ_ ΣΤΑ ΠΡΗ_ ΙΑ_ ΣΤΑ•

S411/14/42

Tr

ΙΟ_ ΖΕ_ Ω_ ΤΨ

ΧΡΗ_ ΣΤΑ ΠΡΗ_ ΙΑ_ ΣΤΑ•

Tr

S431



Am,Dk,Ott,Trin						
Vi						
	ό- θεν αυ- τών	καί τά λεί-	ψα-	να,		
Pp						
	ΤΚ_ ΜΔ_	ΖΕ	ΤΟ_ ΙΟ	Η	ΜΟ_	ΨΗ_
S439						
	ΤΚ_ ΜΔ_	ΖΕ	ΤΟ_ ΙΟ	Η	ΜΟ_	ΨΗ_
S411/14/31						
S442						
Tr						
	ΤΚ_ ΜΕ_	ΖΕ	ΤΟ_ ΙΟ	Η	ΜΟ_	ΨΗ_





G270



G260



Am



Dk



Ott



Trin



G355



Vi



εκ θεί- ας δυ- νά- με- ως,

Pp



ο_ τῶ_ βο_ ρῆ_ στρε_ νῶ_ ια_ ση_ λῶι_

S439



ω_ τῶ_ βο_ ρῆ_ στρε_ νῶ_ ια_ ση_ λῶι_

S411/42



S431



S414/Tr



ω_ τῶ_ βο_ ρῆ_ στρε_ νῶ_ ια_ ση_ λῶι_

Tr





G260



G270



Am



Dk

Ott



Trin



G355



Vi



δι- η- νε- κώς εν- ερ- γού-σι τοίς θαύ- μα- σιν,

Pp



ВЪ_ Н_ НΟΥ_ СЪ_ ДК_ БА_ Ю_ ТЪ_ УЮ_ ДЕ_ СА_

S439



ВЪ_ Н_ НΟΥ_ СЪ_ ДК_ БА_ Ю_ ТЪ_ УЮ_ ДЕ_ СА_

S411



S414



S431



ВЪ_ Н_ НΟΥ_ СО_ ДК_ БА_ Ю_ ТЕ_ УЮ_ ДЕ_ СА_

S442



Tr



ВЪ_ НΟΥ_ СО_ ДК_ БА_ Ю_ ТЪ_ УЮ_ ДЕ_ СА_

Tr





G260



Am,Dk



Ott



Trin



G270



Vi



ών και τά ο- νό- μα- τα μό- να, εκ πί- στε-ως ε- πι- βο- ώ- με- να,

Pp



ΙΕ ΙΟ_ ΖΕ Η_ ΜΕ_ ΝΑ Β'Κ_ ΡΟ_ ΙΟ Β'Λ_ Ξ'Υ_ ΒΑ_ ΙΕ_ ΜΑ_

S439



Ε_ ΙΟ_ ΖΕ Η_ ΜΕ_ ΝΑ Β'Κ_ ΡΟ_ ΙΟ Β'Λ_ Ξ'Υ_ ΒΑ_ Ε_ ΜΑ_

S411



S442



S414 /31



Tr



Ε_ ΙΟ_ ΖΕ Η_ ΜΕ_ ΝΑ Β'Κ_ ΡΟ_ ΙΟ Β'Λ_ Ξ'Υ_ ΒΑ_ Ε_ ΜΑ_



Ott



Am,Dk



Ott



Trin



G355



Vi



τών α- vi- ά- των αλ- γη- δό-νων

α- παλ-λάτ- του- σι,

Pp



ο_ τῷ_ νε_ ης_ ικ_ λβ_ ηῖ_ η_ χῶ_ νε_ δοῦ_ γῶ

ηῖ_ μα_ πα_ ιο_ τῶ

S439



ω_ τῷ_ νε_ η_ ικ_ λβ_ ηῖ_ η_ χῶ_ νε_ δοῦ_ γῶ

ηῖ_ μα_ πα_ ιο_ τῶ

S411



S414/31



S442



Tr



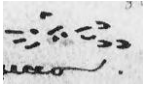
ω_ τῷ_ νε_ ης_ ικ_ ηῖ_ η_ χο_ νε_ δοῦ_ γο

ηῖ_ μα_ πα_ ιο_ τε

Tr



G355



G260



Am,Dk,G270



Ott,Trin



Vi



δι' ὧν Κύ-ρι-ε καὶ η- μάς,

Pp



S439



ΙΕ ΙΟ ΖΕ ΡΑ ΔΗ ΓΟ ΣΠΟ ΔΗ Η ΝΑ ΣΨ

S411



S442



S414/31



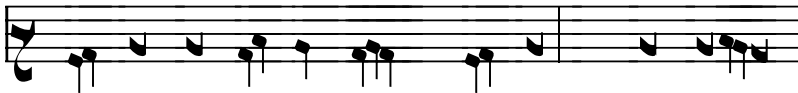
Tr



Ε ΙΟ ΖΕ ΡΑ ΔΗ ΓΟ ΣΠΟ ΔΗ Η ΝΑ ΣΨ

Α ΟΙΚΟΣΕΡΔΗΝΑ ΦΗΤΑ

Tr





Am, Trin



=D

Dk

G270

Ott

Vi

τών τής ψυ- χώς καί σώ- μα- τος πα- θών

Pp

ΔΟΥ_ΣΙΕ_ ΒΒ_ Ν'ΔΙ_ Η_ Χ'Β_ Η_ Τ'Κ_ ΛΕ_ ΣΒ_ Ν'ΔΙ_ Η_ Χ'Β_ СТРА.СΤИ.Η.

S439

ΔΟΥ_ΣΙΕ_ ΒΒ_ Ν'ΔΙ_ Η_ Χ'Β_ Η_ Τ'Ε_ ΛΕ_ ΣΒ_ Ν'ΔΙ_ Η_ Χ'Β_ СТРА.СΤИ.Η.

S411

S442

S431

S414

Tr

ΔΟΥ_ΣΙΕ_ ΒΕ_ Ν'ΔΙ_ Η_ Χ'Ο_ Η_ Τ'Ε_ ΛΕΣ_ Ε_ Ν'ΔΙ_ Η_ Χ'Ο_ СТРА.СΤИ.Η.

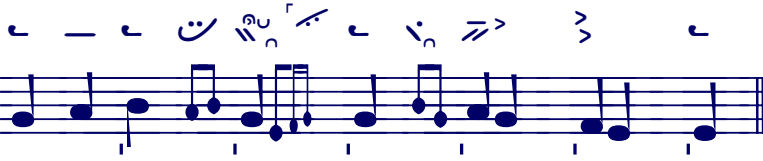


Tr

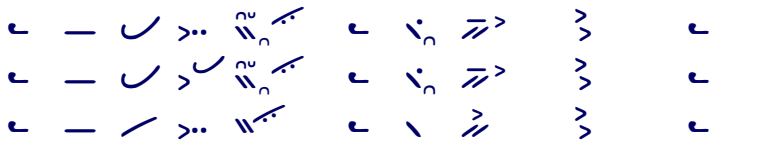
G260



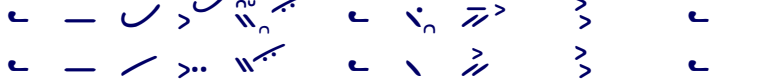
G270



Am,Dk,Trin



Ott



Vi



ε- λευ-θέ- ρω- σον ὡς φιλ-άν- θρω- πος.

Pp



ΚΚΟ_ΚΟ_ ΔΗ ΙΑ_ ΚΟ ΥΛΟ_ ΒΚ_ ΚΟ_ ΛΙΟ_ ΚΕ_ ΛΒ_

S439



ΚΚΟ_ΚΟ_ ΔΗ ΙΑ_ ΚΟ ΥΛΟ_ ΒΚ_ ΚΟ_ ΛΙΟ_ ΚΕ_ ΛΒ_

S411



S442



S414/31



Tr



ΚΚΟ_ΚΟ_ ΔΗ ΙΑ_ ΚΟ ΥΕ_ ΛΟ_ ΒΚ_ ΚΟ_ ΛΙΟ_ ΚΕ_ ΛΒ_

Tr



Εἰς τόν Στίχον, Δόξα... Ἦχος πλ. β'

Πάντοτε ἔχοντες Χριστόν // ενεργοῦντα ἐν υμῖν,
Ἅγιοι Ἀνάργυροι.

θαυματουργεῖτε ἐν κόσμῳ
ασθενούντας θεραπεύοντες,
καὶ γὰρ τό ἰατεῖον υμῶν
πηγὴ ὑπάρχει ἀνεξάντλητος.

ἀντλουμένη δὲ μάλλον ὑπερεκβλύζει,
καὶ χρομένη περισσεύεται +
καθ' ἐκάστην κενουμένη / καὶ πληθynoμένη.

πάσι χορηγούσα καὶ μὴ λειπομένη.

καὶ οἱ ἀρῶμενοι κορέννυνται ἰάματα,
καὶ αὕτη διαμένει ἀδαπάνητος.

Τί οὖν ἡμᾶς καλέσωμεν;
θεράτοντας ἰατροὺς ψυχῶν τε καὶ σωμάτων.

ιατήρας παθῶν ἀνιάτων
δωρεάν ἰωμένους
ἅπαντας εὐληφότητας χαρίσματα
παρὰ τοῦ Σωτήρος Χριστοῦ.

τοῦ παρέχοντος ἡμῖν τό μέγα ἔλεος.

D3	//	G3/0 -a	E3
E2		G3/0	
		G3/U -caa //	
		Ga.D	E3
Gh		G3/U	
		G3/U -caa	
		D2-//	E3
		Ga.D //	E3
Gh		G3/J	
		a~:ac.G-	E3
E2		G3/J -a	E3
		G	
		a	
		a	
		yh3	
		D2 //	E3
		D3 -F //	E3

Слѡва, глаголющѣ:

Всѣгда имѡщѣ хрѣта, дѣйствиюща въ вѣсѣ,
сѣи безсмеренныи.

Чюдодѣйствиете въ мирѣ, немоцствующима врачуете,
нбо врачевствѡ вѣше источникъ сѣти неисчерпѣемый.

Черплемъ же паче пренстеклетъ,
и изнѣлемъ и зѡбнѣдетъ,
на кійждо дѣнь истоцвѣлемъ и оумножатся,

всѣмъ подадъ, и невосхѣтѣлемъ пребывѣа:

и черплющии насыщѣются врачеваніи,
тоиже пребывѣетъ нежданнѡщѣи.

что оубо вѣсѣ наречѣмъ;

цѣлительныхъ ли врачѣвъ дошъ же и чѣлѣсѣ;

цѣлителей страстѣи нецѣлительныхъ,


чѡне ицѣлѣющихъ

всѣхъ пріемшихъ дарованіе

ѡ іѡса хрѣта.

подающаго намъ вѣлію мнѡстѣ.

Πάντοτε έχοντες Χριστόν, ενεργούντα εν υμίν

++++ Πάντοτε έχοντες Χριστόν, ενεργούντα εν υμίν  [C/E]

Am 

=D

G270 

Dk,Trin 

Ott 

G260 

Vi 

Πάν- το- τε έ- χον-τες Χρι-στόν,

S414/42 

S431 

Tr 

 σε_ γδα η_ μοϋ_ ψιε χρι_ στα

Tr 



Am



Ott



Dk,Trin

G260



G355

Vi

G356

καί γάρ τό ι- α- τρεί- ον υ- μών,

S414/42/31

Tr

η_ βο_ κρα_ γε_ στρο_ βα_ ση_.

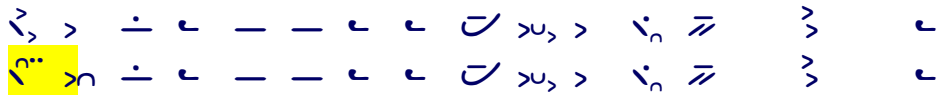




Am

Dk,Ott,Trin

Vi



καί οι α- ρυ- ό- με- νοι κο- ρέν-νυν-ται ι- ά- μα- τα,

S442/31



ΥΡΨ ΠΛΙΟΥΨΗ Η ΝΑ ΣΨΙ ΨΙΑ ΙΟΥΤ ΣΑ ΗΣ ΨΨ ΛΕ ΝΗ Η.

S414



Η ΥΡΨ ΠΛΙΟΥΨΗ Η ΝΑ ΣΨΙ ΨΙΑ ΙΟΥΤ ΣΑ ΗΣ ΨΨ ΛΕ ΝΗ Η.

Tr



Η ΥΕΡ ΠΛΙΟΥΨΕ Η ΝΑ ΣΨΙ ΨΙΑ ΙΟΥΤ ΣΑ ΗΣ ΨΨ ΛΕ ΝΗ Α



G355



Am,Dk,Ott,Trin

Vi



καί αύ- τη δι- α- μέ- νει ά- δα- πά- νη- τος.

S414



ΤΟ Η ΠΡΕ ΒΨΙ ΒΑ Ε ΤΕ ΝΕ Η ΨΔΗ ΒΟΥ ΨΙΕ.

S442



S431



Tr



Η ΤΟ Η ΠΡΕ ΒΨΙ ΒΑ Ε ΤΕ ΝΕ Η ΨΔΗ ΒΟΥ ΨΙΕ.





G270

> . / > > 3i^c - U > 2



Am,Dk

> . / > > 3i^c - U >> 2

Ott

> . / > > 3i^c - U >> 2

Trin

> . / > > 3i^c - U >> 2



G355

> . / > > 3i^c - U >> 2

Vi

> . / > > 3i^c - U >> 2

ι- α- τή- ρας πα- θών α- νι- ά- τών,

S414/42

Tr: 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4

S431

Tr: 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4

Tr

Tr: 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4

ЦѢ_ ЛЕБ_ НН_ КЪИ_ СТРА_ СТЕ_ МО_ НЕ_ НС_ ЦѢ_ ЛНЪИ_ МО.



Tr



Am,Dk,Trin

> - U > 2 >> 2

Ott

> - U > 2 >> 2

Vi

> - / > \ 2 >> 2

δω- ρε- άν ι- ω- μέ- νους

S414/42/31

Tr: 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4

ΤΟΥ_ ΝΕ_ ΗΣ_ ЦѢ_ ΛΑ_ ΙΟ_ ΨΗ

Tr

Tr: 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4 2/4

ΤΟΥ_ ΝΕ_ ΗΣ_ ЦѢ_ ΛΑ_ ΙΟ_ ΨΕ_ ΚΕ_ СѢ_ ΧΟ



Tr



Ott



Am,Trin

Dk

G355

Vi

ά- παν-τας ει- λη- φό- τας χα- ρί- σμα- τα,

S414

S431

ΚΕ_ ΣΚ_ ΧΟ. ΠΗ_ Η_ ΜΟ_ ΣΑ_ Α_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΗΗ_ Α.

Tr

ΚΕ_ ΣΚ_ ΧΟ. ΠΗ_ ΗΜ_ ΣΑ_ ΔΑ_ ΡΟ_ ΒΑ_ ΗΗ_ Α.



Am,Dk,Ott

Vi

πα- ρά τού Σω- τή- ρος Χρι- στού,

S414 /42/ 31/Tr

Ω_ ΤΟ ΣΠΑ_ ΣΑ ΧΡΗ_ ΣΤΑ



1.7.

Εἰς τὴν Λιτὴν, Δόξα... Ἦχος πλ. β', Ἀνδρέου Πυροῦ

Φαιδρά καὶ ἐπίφωτος // ἀνέτειλε σήμερον,
 ἡ μνήμη τῶν Αναργύρων Χριστοῦ.

λαμπρῶς καταλάμπουσα ταῖς ἀκτίσι τῶν θαυμάτων,
 ἀπαντα τὸν περι γειῶν κοσμον.

Δεῦτε οὖν φιλέορτοι, πιστῶς πανηγυρίσωμεν.

δεῦτε, τὴ σορῶ τῶν Ἁγίων,
 προθύμως πάντες προσδράμωμεν.

ὅπως τὴν ταχίστην ἰασιν
 ἀφθόνως παρ' αὐτῶν κοιμισώμεθα,
 ἀναργύρως γὰρ παρέχουσι
 πασι τὴ ἐνεργεῖα τοῦ Ἁγίου Πνεύματος
 τῶν ἱαμάτων τὰ χαρίσματα.



Γλῶσζ 5:

ВѢТЛАА ѡ провѣщеннаа возей̄а днѣь
 пѣлапѣь везрѣвереннѣквѣз хрѣтѣбѣхъ.

вѣтлау ѡблнѣтѣюци лѣчѣлнѣ чдѣезъ
 по вѣей̄ зѣмлѣ мѣрз.

прѣндѣтѣ ѡѣву прѣзднѣолѣбѣцы, вѣѣрнѣу торжѣвѣтѣвѣмъ:

прѣндѣтѣ кѣ моцѣмъ етѣхъ ѡѣерднѣу вѣнѣ етѣцѣмѣа.

ѣкѣ да екорѣе ѡцѣлѣнѣе ѡ нѣхъ прѣнѣмѣмъ нѣуекдѣнѣ:

вѣзмѣзднѣу бо подлѣотъ вѣѣмъ дѣѣнѣтѣвомъ етѣгѣу дѣа
 ѡцѣлѣнѣнѣ дѣроблѣнѣа.

D2 //
 CD.D

E2

E3

a
 a D2 //
 D2 //

G3/U

E3

E2*

G3/U -a

E3 -G

D2 //

Da

G3/J


G3/U -caa

G3/U -a D2 //

Ga.D





E3

Φαιδρά καί επίφωτος ανέτειλε σήμερον


++++ Φαιδρά καί επίφωτος ανέτειλε σήμερον  [a/E]



Ott 



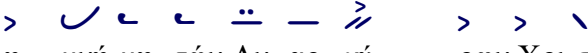
Am,Trin 
 Dk 
 G355 
 Vi 
 Φαι-δρά καί ε- πί- φω- τος αν- έ- τει- λε σή- με- ρον,



Ott 

D

Am 

Dk 
 Trin 
 Vi 
 η μνή-μη τών Αν- αρ- γύ- ρων Χρι-στού,



Ott



Am

Dk

G260

Trin

Vi

λαμ-πρώς κα- τα-λάμ-που- σα ταίς ακ- τί- σι τών θαν-μά- των,



Am



Dk



Trin



Ott



G270



G355



Vi



δέυ- τε,

G270

G260

Am
Trin

Dk
Ott

D

G355
Vi

τή σο- ρώ τών A- γί- ων, προ-θύ-μωσ πάν-τεσ προσ-δρά- μω- μεν,

The image shows a musical score for various instruments. The instruments listed are G270, G260, Am, Trin, Dk, Ott, D, and Vi. The score includes musical notation and Greek lyrics. A yellow highlight is present in the Trin part, specifically on a note in the second measure of the fifth system.



G270 > > - . > >



Am > > - . > >

Dk > > - . > >

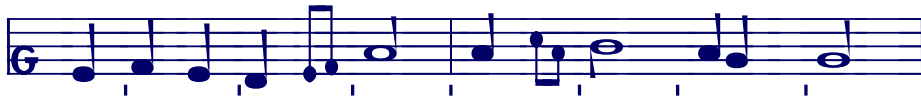
Trin > > - . > >



Ott > > - . > >

Vi > > - . > >

ό- πως τήν τα- χί-στην ί- α- σιν



Am,Dk,Trin - > > - . > >

Ott - > > - . > >

Vi - > > - . > >

α- φθό-νωσ παρ' αυ- τών κο- μι- σώ- με- θα,



D

Am > > - . > >

Dk,Trin > > - . > >

G260 > > - . > >

Ott > > - . > >

Vi > > - . > >

αν- αρ- γύ-ρωσ γάρ παρ-έ- χου- σι



Ott



Am, Trin, Dk



G355



Vi



G356



πά-σι τῆ ἐν-ερ-γεΐ-α τοῦ Ἀ-γί-ου Πνεύ-μα-τος,



Am, Trin



Dk



Ott



Vi



G356



τών ἰ-α-μάτων τὰ χα-ρί-σμα-τα.